कोई भी देश विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं रिसर्च के बिना प्रगति नहीं कर सकता है: डॉ. राजीव

भोपाल (काप्र)।

कोविड ने हमें बताया कि विज्ञान और उसमें रिसर्च कितनी महत्वपूर्ण है, विज्ञान -प्रौद्योगिकी एवं शोध के बिना कोई भी देश प्रगति नहीं कर सकता। वक्तव्य है आईसीएमआर के महानिदेशक एवं भारत सरकार के हेल्थ रिसर्च विभाग के सेक्रेटरी डॉ राजीव बहल के।

डॉ. बहल ने विद्यार्थी विज्ञान मंथन कार्यक्रम के समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम वैक्सीन बनाने वाले टॉप फाइव देश में से एक रहे हैं और इसके लिए हमने हजार से भी ज्यादा वैक्सीन टेस्ट किए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन में पुरस्कार नहीं अपितु इसमें आपकी पहुंच महत्वपूर्ण है। हमारी स्ट्रैंथ हमारे अंदर है। उन्होंने कहा कि जिसमें सीखने की प्रवृत्ति होती है वह हर कहीं से सीख सकता है लेकिन यह सीखना आपकी सोच पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि सपने पूरे होते हैं इसलिए हमें सपने बड़े देखना चाहिए। हमें अपने कल्चर और अपने अचीवमेंट पर गर्व करना चाहिए। उन्होंने जय जवान जय किसान जय विज्ञान और जय अनुसंधान के नारे की महत्ता बताई।

विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. शिवकुमार शर्मा ने कहा कि हम जो शोध कर रहे हैं वह समाज एवं मानवता के लिए महत्वपूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने कहा आई क्यू, इक्यू के साथ-साथ एस क्यू (सोशल) एवं एच क्यू (ह्यूमन) भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि फॉर्मल एजुकेशन के साथ इनोवेशन भी महत्वपूर्ण है क्योंकि नवाचार एवं सीखने की निरंतर ही हमें शिखर पर पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि स्वॉट एनालिसिस के माध्यम से हमें स्वयं का आकलन कर विज्ञान में अपना भविष्य बनाते हुए देश हित में कार्य करना चाहिए।

विज्ञान भारती द्वारा विद्यार्थी विज्ञान मंथन का दो दिवसीय नेशनल कैम्प का समापन विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार के साथ भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइसर) भोपाल में हुआ। इस प्रतियोगिता में संपूर्ण भारत के 36 प्रान्तों से 450 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में म. प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद सह आयोजक था।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान आइसर भोपाल के निदेशक डॉ. गोवर्धन दास ने अपने वक्तव्य में कहा कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन एक परीक्षा न होकर अपने आइडिया को एक्सचेंज करने का मंच है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी यंग साइंटिस्ट है और आप को ही देश को आगे बढ़ाना है।

इसके पूर्व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के निदेशक डॉ कैलाशा राव ने कहा कि भारत नई शिक्षा नीति से नई दिशा में जा रहा है, इसमें इनोवेशन के साथ सीखने को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने विद्यार्थियों को विज्ञान के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए तीन मंत्र दिए - थिंक एक्शन एवं वर्क। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी के माध्यम से हम सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को किसी भी आइडिया के विस्तृत रूप में जाकर उसका प्रोटोटाइप तैयार करना चाहिए।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश शासन के पूर्व आईएएस अधिकारी एवं भारत के महान वैज्ञानिक डॉ शांति स्वरूप भटनागर के पोते अरुण भटनागर भी उपस्थित थे।

निगम अमले ने न्यूमार्केट, मालवीय नगर, आशिमा मॉल के कॉरीडोर कराए अतिक्रमण मुक्त

भोपाल(काप्र)।

नगर निगम द्वारा बाजार क्षेत्रों में नागरिकों के आवागमन की सुविधा के दृष्टिगत कॉरीडोर, फुटपाथों व मार्गों पर से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। निगम अमले ने न्यू मार्केट, मालवीय नगर तथा आशिमा मॉल आदि क्षेत्रों में अतिक्रमणकारियों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए अतिक्रमणों को भी हटाया और स्पॉट फाईन की कार्यवाही भी की।

निगम के जोन क्र. 07 के अमले ने मालवीय नगर स्थित शॉपिंग काम्प्लेक्स में दुकानदारों द्वारा कॉरीडोर में किए गए अतिक्रमण को हटाया और 13 हजार 500 रुपये का स्पॉट फाईन भी वसूला। इससे पूर्व शनिवार को भी निगम अमले ने न्यू मार्केट क्षेत्र में कॉरीडोर से बड़ी संख्या में अतिक्रमण हटाया और 20 हजार रुपये का स्पॉट फाईन भी वसूल किया था तथा आशिमा मॉल में 07 दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण कर रखा गया सामान हटवाया और 07 हजार 600 रुपये की राशि स्पॉट फाईन के रूप में वसूल की थी। अपर आयुक्त सुश्री निधि सिंह के दिशा निर्देशन में अतिक्रमणों के विरूद्ध निगम की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन द्वारा शहर के व्यवसायिक क्षेत्रों में नागरिकों को आवागमन की सुविधा के दृष्टिगत दुकानों के सामने के कॉरीडोर के साथ ही आवागमन के स्थलों से अतिक्रमण हटाने तथा अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध स्पॉट फाईन की कार्यवाही करने के निर्देशों के परिपालन में निगम अमले द्वारा सख्ती के साथ कार्यवाही की जा रही है। रविवार को निगम अमले ने मालवीय नगर स्थित मालवीय शॉपिंग कॉम्प्लेक्स दुकानों के सामने कॉरीडोर में रखा सामान हटाकर कॉरीडोर खाली कराने व अन्य आवागमन स्थलों से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की और 13 हजार 500 रुपये स्पॉट फाईन के रूप में भी वसूल किए।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर विगत दिनों निगम अमले ने न्यू मार्केट पिंक पार्किंग क्षेत्र, टीनशेड क्षेत्र, हनुमान मंदिर के सामने प्रांगण, न्यू मार्केट में 36 चबूतरों व 45 चबूतरों के स्थान पर बनाए गए नवीन शॉपिंग कॉम्प्लेक्सों के कॉरीडोर, टी.टी. नगर थाना से रंग महल तक न्यू मार्केट की दुकानों के आउटर कॉरीडोर आदि क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए उक्त क्षेत्रों के कॉरीडोर, सड़कों/रास्तों, फुटपाथों एवं नालियों आदि पर अवैध रूप से सामान रखकर कर किए गए अतिक्रमणों को हटाया और विभिन्न प्रकार का सामान भी जप्त किया तथा चालानी कार्यवाही भी की। शनिवार को न्यू मार्केट में बड़ी कार्यवाही करते हुए कॉरीडोर आदि क्षेत्रों में रखे सामान को हटाया गया और दुकानदारों पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी किया गया। उक्त कार्यवाही सहायक अतिक्रमण अधिकारी शैलेन्द्र सिंह भदौरिया व संबंधित क्षेत्र के जोनल अधिकारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी एवं वार्ड प्रभारियों सहित अन्य अमले द्वारा की गई।

सामान्य प्रशासन विभाग ने की आवेदनों की स्क्रूटनी

आचार संहिता हटते ही होगी सूचना आयुक्तों की नियुक्ति

भोपाल (काप्र)।

आम लोगों को सरकारी कार्यालयों से सूचनाएं दिलाने के लिए गठित राज्य सूचना आयोग में खाली पड़े आयुक्तों के पदों पर नियुक्ति के लिए बुलाए आवेदनों की छंटनी की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

अब अगले महीने आचार संहिता हटते ही मुख्य सूचना आयुक्त एवं आयुक्तों के लिए नियुक्ति आदेश जारी करने की प्रक्रिया शुरू होगी। राज्य शासन आयुक्त एवं मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति के लिए अलग-अलग समय में ऑनलाइन आवेदन बुला चुकी है। मप्र राज्य सूचना आयोग में 28 मार्च के बाद से आयुक्त एवं मुख्य सूचना आयुक्त के सभी पद खाली हैं। ऐसी स्थिति में सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आवेदनों की सुनवाई नहीं हो रही है। बल्कि लंबित आवेदनों की संख्या 14 हजार से ज्यादा पहुंच गई है। मप्र राज्य सूचना आयोग में 10 आयुक्त एवं 1 मुख्य सूचना आयुक्त के पद हैं। इन पदों पर नियुक्ति के लिए राज्य सरकार अगले महीने प्रक्रिया शुरू कर सकती है।

ऑनलाइन बुलाए जा चुके हैं आवेदन: राज्य सरकार सूचना आयुक्तों के पदों पर नियुक्ति के लिए मार्च में आवेदन बुला चुकी है। जबकि मुख्य सूचना आयुक्त के लिए पिछले महीने अलग से विज्ञापन जारी कर आवेदन बुलाए गए है। 8 मई तक मुख्य सूचना आयुक्त के लिए ऑनलाइन आवेदन बुलाए जा चुके हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने आयुक्त एवं मुख्य सूचना आयुक्त के लिए आए आवेदनों की स्क्रूटनी करने के बाद फाइल तैयार कर ली है। अब संभवतः राज्य सरकार अगले महीने इन पदों पर नियुक्ति का विचार करेगी, तब आवेदकों के नाम भेजे जाएंगे।

उप लोकायुक्त की भी होगी नियुक्ति: प्रदेश में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए गठित लोकायुक्त संगठन में भी उप लोकायुक्त का पद खाली है। राज्य सरकार लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उप लोकायुक्त के पद पर भी नियुक्ति कर सकती है। 3 महीने पहले राज्य शासन ने आनन-फानन में लोकायुक्त के पद पर न्यायाधीश सतेन्द्र सिंह की नियुक्ति की थी।

कांग्रेस प्रत्याशियों एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की बैठक आज

भोपाल(काप्र)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव मप्र प्रभारी जितेन्द्र सिंह 20 मई को भोपाल प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान जितेन्द्र सिंह और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और मप्र के कांग्रेस पार्टी के लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों की सोमवार को पूर्वान्ह 10.45 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बैठक लेंगे। बैठक में लोकसभा चुनाव और संगठनात्मक विषयों सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जायेगी। नेताद्वय बैठक के बाद दोपहर 2 बजे पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगे। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष राजीव सिंह ने बताया कि बैठक में मप्र के कांग्रेस पार्टी के लोकसभा प्रत्याशियों, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को आमंत्रित किया गया है।

ईपीएफ की बढ़ाई गई ब्याज दर की राशि जुलाई तक पहुंचेगी कर्मचारियों के खातों में

भोपाल (काप्र)। निजी कंपनियों, कारखानों, निजी संस्थानों, निगम, मंडलों में कार्यरत कर्मचारियों के बैंक खातों में अलग-अलग समय पर बढ़ाई गई ब्याज दर की राशि जुलाई तक जमा होती रहेगी। धीरे-धीरे करके सभी कर्मचारियों के खातों में राशि ट्रांसफर की जा रही है। 2023-24 के लिए 8.15 प्रतिशत से बढ़कर 8.25 प्रतिशत हुई ब्याज दर की राशि कर्मचारियों के खातों में ट्रांसफर होने का सिलसिला अप्रैल से शुरू हुआ है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के रीजनल कमिश्नर -1 अमिताभ प्रकाश ने बताया कि भोपाल रीजन के 12 लाख से ज्यादा कर्मचारियों के खाते में बढ़ाई गई 0.10 प्रतिशत ब्याज दर की राशि खातों में पहुंच रही है। इससे कर्मचारी भविष्य निधि(ईपीएफ) के अंशदाताओं (कर्मचारियों) को दो तरह का फायदा होगा। पुरानी ब्याज दर 8.15 प्रतिशत का सालभर का ब्याज भी खातों में आएगा। उसके अलावा बढ़ाई गई ब्याज दर की राशि भी कर्मचारियों के बैंक खातों में पहुंचेगी। अभी करीब 6 लाख कर्मचारियों के खाते में राशि नहीं पहुंची है।

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को मिलेगी लैपटाप की राशि, 12वीं टॉपर्स को स्कूटी

भोपाल (काप्र)।

इस बार प्रदेश के 12वीं पास 90 हजार 400 विद्यार्थियों को लैपटाप के लिए 25-25 हजार रुपये की राशि दी जाएगी। इस पर सवा दो सौ करोड़ से ज्यादा की राशि खर्च होगी।

दरअसल, प्रदेश में मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल से 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को लैपटाप के लिए 25-25 हजार रुपये की राशि दी जाएगी। पिछले साल 78 हजार 641 विद्यार्थियों को लैपटाप खरीदने के लिए राशि दी गई थी। यह संख्या पिछले साल की तुलना में 11 हजार 759 अधिक है। वहीं इस बार प्रदेश के स्कूलों के दो टापर विद्यार्थियों को स्कूटी भी प्रदान की जाएगी। यह संख्या करीब सात हजार है। जुलाई तक लैपटाप की राशि मिलने की संभावना है। स्कूल शिक्षा विभाग ने माध्यमिक शिक्षा मंडल से मेधावी विद्यार्थियों के आंकड़े मागे हैं। वहीं, तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पिछले साल की घोषणा पर अमल किया गया तो इस बार से सीबीएसई के विद्यार्थियों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। हालांकि फिलहाल इस पर संशय है। विभाग के उपसचिव प्रमोद सिंह ने बताया कि इस साल 90 हजार 400 विद्यार्थियों को लैपटाप की राशि दी जाएगी।

सीबीएसई के विद्यार्थियों पर संशय बरकरार: स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मप्र बोर्ड के मेधावी विद्यार्थियों को लैपटाप की राशि देने के लिए पिछले साल 20 जुलाई को लाल परेड ग्राउंड में कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मप्र बोर्ड के 12वीं में 75 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 78 हजार 641 विद्यार्थियों के खाते में लैपटाप खरीदने के लिए 196 करोड़ की राशि ट्रांसफर की थी। कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की थी कि मप्र की 12वीं के विद्यार्थियों के साथ सीबीएसई के मेधावी विद्यार्थियों को अगले साल से 25-25 हजार रुपये की राशि लैपटाप के लिए मिलेगी, लेकिन अब तक विभाग को इस बारे में निर्देश नहीं दिए गए हैं। अगर सीबीएसई बोर्ड के विद्यार्थी योजना में शामिल होंगे तो करीब एक लाख विद्यार्थी और बढ़ जाएंगे। हालांकि चुनावी आचार संहिता खत्म होने के बाद इस पर निर्णय लिया जा सकता है।

इस बार भी 12वीं के सभी स्कूलों के टापर को स्कूटी प्रदान की जाएगी। इसमें सात हजार विद्यार्थी शामिल हैं। पिछले साल सरकारी स्कूल के हर एक टापर को स्कूटी दी गई थी। हालांकि उस दौरान कार्यक्रम में निजी स्कूल के विद्यार्थियों को शामिल करने की बात कही गई थी, लेकिन अभी इस पर अमल नहीं हुआ है। इसमें सरकारी स्कूलों के 12वीं पास एक टापर को स्कूटी भी देने की योजना शुरू की है। वह सिर्फ स्कूल में टापर होना चाहिए। मप्र बोर्ड 12वीं के मेधावी वद्यार्थियों को लैपटाप के लिए 25-25 हजार रुपये की राशि देने की योजना मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत वर्ष 2009-10 में शुरू की गई थी। योजना के प्रारंभ में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटाप दिया गया था।

कांग्रेस का न्याय पत्र जनता के लिए फिक्स डिपॉजिट

भोपाल (काप्र)। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव चार चरणों में संपन्न हो चुका है। चुनाव संपन्न होने के बाद घोषणा पत्र को लेकर दावे-प्रतिदावे जारी है। इसी कड़ी में कांग्रेस नेता कमलनाथ ने सोशल मीडिया एक्स पर कांग्रेस पार्टी के न्याय पत्र को देश की जनता के लिए ऐसा फिक्स डिपॉजिट बताया है जिसमें जनता आज अपना वोट जमा कर रही है और आने वाले कई वर्ष तक कई गुना रिटर्न प्राप्त करती रहेगी। कमलनाथ ने एक्स पर लिखा कि- आपका एक वोट नौजवानों को 30 लाख सरकारी नौकरियां, स्नातकों को 8500 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड, गरीब महिलाओं को हर वर्ष एक लाख रुपया, किसानों को एमएसपी की गारंटी और देश के नागरिकों को हर महीने 10 किलो मुफ्त राशन दिला सकता है। आपका एक वोट जातिगत जनगणना के आधार पर सामाजिक न्याय सुनिश्चित कर सकता है। आपका एक वोट संविधान बदलने की साजिश करने वालों को सबक सिखा सकता है। आपका यह वोट सिर्फ कांग्रेस पार्टी या इंडिया गठबंधन के लिए नहीं है, बल्कि आपके वर्तमान और आपके बच्चों के भविष्य के लिए है। देश की जनता ने इस लोकसभा चुनाव को भविष्य निर्माण और राष्ट्र निर्माण का चुनाव बना दिया है।

संस्कृत भारती मध्यभारत के प्रबोधन वर्ग का हुआ समापन

भोपाल (काप्र)। सप्त दिवसीय प्रांत स्तरीय प्रबोधन वर्ग का समापन शिवाजी नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में वैदिक मंत्र के उच्चारण से आरंभ हुआ।

सरस्वती वंदना, संस्कृत में मंत्र, संस्कृत गीत व नाटक आदि की प्रस्तुति शिवरार्थियों द्वारा दी गई। अतिथियों का परिचय कराते हुए विनय सिंह राजपूत ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अभ्यागत प्रो. रमाकांत पाण्डेय, (निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय), विशिष्ट अभ्यागत विभाकर शर्मा (सहायक संचालक), सारस्वत अभ्यागत डॉ. योगेश पड़ेगांवकर (उप प्राचार्य देहली पब्लिक स्कूल), डॉ. नीरज शर्मा (प्रशिक्षण प्रमुख संस्कृत भारती, मध्यभारत प्रांत), डॉ. अशोक भदौरिया (प्रांत अध्यक्ष संस्कृत भारती इत्यादि रहे। आपकी मुख्य उपस्थिति में दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना उपरांत अतिथियों का स्वागत श्रीफल, वस्त्र पट्टिका एवं साहित्य भेंट कर किया गया। पूर्व आईएएस राजगोपाल नायडू ने वर्ग के अनुभव को सांझा करते हुए संस्कृत भाषा में ही अपना संबोधन किया यह इस वर्ग का महत्व पूर्ण भाग रहा कि विद्यार्थियों ने सात दिवस में संस्कृत में संभाषण करना सीख लिया एवं शिविर के समापन पर संस्कृत में संभाषण करते हुए आनंद का परिचय दिया। इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों ने संस्कृत भाषा में संभाषण कर लघु नाटिकाएं, गीत प्रस्तुत की जिसे उपस्थित वृंद ने खूब सराहा। कार्यक्रम में अतिथियों सहित प्रांत समिति के सदस्य प्रमुख मनोहर लाल शर्मा सदस्य बृजेश साहू विभाग से कमल चंद्र शंकडिया, महानगर अध्यक्ष सूर्यप्रकाश जोशी, एस के तिवारी एवं सामाजिक जन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने बाघ के हमले में घायल रघुवीर की मृत्यु पर दुःख व्यक्त किया

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बांधवगढ़ क्षेत्र में बाघ के हमले में घायल तेंदूपत्ता संग्राहक रघुवीर सिंह की जबलपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चिकित्सा के दौरान मृत्यु होने पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा को मोक्ष प्रदान करने और शोकाकुल परिजन को यह दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। डॉ. यादव ने जिला प्रशासन से मृतक के परिजन को 8 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने और घायल नरोत्तम सिंह के बेहतर इलाज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बाघ के हमले में घायल नरोत्तम सिंह के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। श्री सिंह का उपचार उमरिया अस्पताल में जारी है।

स्पेशल खबर वित्त विभाग ने सभी विभागों से मांगी उपलब्धियां, नवाचार की जानकारी...

विभागों को बताना होगा अगले 25 साल का रोडमैप

भोपाल (काप्र)।

प्रदेश में आगामी मानूसन सत्र के चलते वित्त विभाग ने सभी विभागों से 2047 के रोडमैप के बारे में पूछा है। साथ ही पत्र जारी कर विभागों से पूछा है कि पिछले वित्त वर्ष की तुलना में इस बार प्रदेश के कितने लोगों को नौकरी दी है। जिन्हें सरकारी नौकरी मिली है, उनका पद और वेतनमान भी पूछा है।

कितने लोगों की सरकारी योजनाओं के जरिए जिंदगी में बदलाव किया है। इसके लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों की योजनाओं का अलग-अलग ब्यौरा मांगा है। सभी विभागों को यह जानकारी 10 जून तक भेजने को कहा है। विभागों से यह डिटेल मिलने के बाद वित्त मंत्री और मुख्यमंत्री इसे बजट भाषण में भी शामिल कराएंगे, ताकि विधानसभा में सरकार की उपलब्धियों के बारे में इस अहम मुद्दे पर भी विधायकों के माध्यम से आम जनता को अवगत कराया जा सके। वित्त विभाग ने निर्देश में कहा है कि पिछले वित्त वर्ष की तुलना में चालू वित्त वर्ष में अब तक विभाग के कुल बजट प्रावधान के आधार पर हुए खर्च, विभाग की योजनाओं के लक्ष्य और उपलब्धि की जानकारी देना है। साथ ही पर्यावरण, जल प्रबंधन व संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, जन स्वास्थ्य, औद्योगिक विकास आदि कार्यों में हासिल विशेष उपलब्धि की जानकारी भी देनी है तथा नवाचार और राजस्व में वृद्धि के लिए किए गए प्रयास बताने हैं। इसके अलावा आम जन जीवन को उन्नत शील बनाने के लिए किए गए प्रयास भी विभागों को बताना है।

गरीबों के कल्याण के लिए क्या किया: विभागों से यह भी जानकारी देने को कहा है कि उन्होंने योजनाओं के जरिए गरीबों की भलाई के लिए क्या-क्या किया है। हितग्राही मूलक योजनाओं में हितग्राहियों की संख्या और लाभ का क्या स्टेटस है? विभाग द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष में व चालू वित्त वर्ष में रोजगार सृजन के लिए अब तक किए गए प्रयास का तथ्यात्मक विवरण देना होगा। शासकीय नियुक्तियों की वेतनमान, पदवार, श्रेणी वार संख्या व कुल संख्या का ब्यौरा भी वित्त विभाग को भेजना होगा। अनुसूचित जाति, जनजाति, विमुक्त, घुमंतु और अर्द्ध घुमंतु जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्प-संख्यक कल्याण के लिए किए गए काम व प्रगति का ब्यौरा भी मांगा गया है। विकसित भारत 2047 के लिए किए जा रहे काम और वित्त वर्ष 2024-25 में बजट प्रावधान को लेकर जानकारी भी देने के लिए कहा है। हर विभाग बताएगा कि नई योजनाएं किसके लिए और किस रूप में शुरू की जा रही हैं।

सीए फाउंडेशन की परीक्षा 13 सितंबर से आरंभ

भोपाल (काप्र)।

द इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स आफ इंडिया की ओर से सितंबर में होने वाली सीए फाउंडेशन और सीए इंटरमीडिएट परीक्षा का टाइम टेबल जारी कर दिया गया है। सीए फाउंडेशन की परीक्षा 13,15,18 और 20 सितंबर को होगी। जबकि इंटरमीडिएट पहले ग्रुप की परीक्षा 12,14 और 17 सितंबर व दूसरे ग्रुप की परीक्षा 19, 21 और 23 सितंबर को होंगी। सीए फाउंडेशन के लिए आनलाइन एग्जाम फार्म 28 जुलाई से 10 अगस्त तक बिना किसी लेट फीस के साथ भरे जा सकेंगे, जबकि लेट फीस के साथ 13 अगस्त तक फार्म भर सकते हैं। इंटरमीडिएट के लिए सात जुलाई से 20 जुलाई तक आनलाइन एग्जाम फार्म्स भरे जा सकेंगे। वहीं लेट फीस के साथ 23 जुलाई तक फार्म भर सकते हैं। यह पहली बार होगा कि स्टूडेंट्स को सितंबर माह में एग्जाम देने का मौका मिलेगा। अभी तक साल में दो बार ही यह परीक्षाएं आयोजित की जाती थीं, लेकिन काउंसिल के निर्णय के बाद अब साल में इंटरमीडिएट और फाउंडेशन परीक्षाएं तीन बार होंगी। इससे स्टूडेंट्स का समय बचेगा और वे जल्दी इस कोर्स को करने में सफलता प्राप्त कर सकेंगे।